भारत सरकार द्वारा पंजीकृत R.N.I. No. RAJHIN/2014/56670 Postage Date 05.04.2024 License No.-RJ/WRWPP/23/2022
Postal Reg No. NGR/080 /2021-23 Licensed to post without prepayment

मासिक

कामधेनु दर्शन

वर्ष-10 | अंक-7 | कुल पृष्ठ:36 | नागौर, सोमवार 1 अप्रैल, 2024 | वार्षिक शुल्क: 2100 रू.

चमत्कार

इन 4 कारणों से होगा चमत्कार

विश्व की सर्वश्रेष्ठ पीड़ित गोवंश की सेवा का फल मिलेगा

12 वर्षों की कठोर साधना से भैरूजी की सिद्धियां प्राप्त हैं

यात्रियों का जंवाई राजा की तरह स्वागत का फल मिलेगा

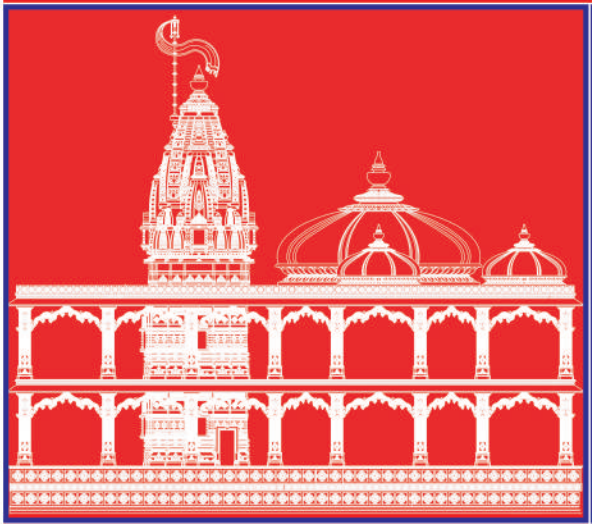

मूर्ति के नीचे 7 लोक में मंत्र व तंत्र के द्वारा स्थापित 6 यंत्र भी प्रभाव दिखायेंगे

विश्व विख्यात श्री काल भैरव मन्दिर का नक्शा, 11.8.24 को होगी मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा

गर्भगृह के नीचे 6 लोक में यंत्र स्थापित किये गये है, यंत्रों की परिक्रमा करने व मन्दिर के निर्माण कार्य को देखने हेतु रोज सैकड़ों भक्त आ रहे हैं, मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के बाद तो रोज हजारों भक्त आयेंगे

अधिक जानकारी हेतु पृष्ठ 20,21,22 व 23 पर देखें...

अनुभवी चिकित्सकों के अथक प्रयासों तथा उच्च गुणवत्तायुक्त दवाईयों से उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवा

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में

इंसानों की भांति होती हैं 24 घण्टे चिकित्सा व सेवा

ऑपरेशन

2. मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ. नागेन्द्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में गोमाता का ऑपरेशन करती हुई अनुभवी चिकित्सा टीम (इनसेट में जीवित बछड़ा)

सम्पादक– दिनेश रावल (B.A. PGDCA) **उप सम्पादक–** धन्नाराम सियोल **सह सम्पादक–** अनिता सिरवी (M.A., Bed)

यह कामधेनु दर्शन मासिक पत्रिका विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय से जुड़े हुए दानदाताओं को भेजी जाती है। नोट-जो 2100 रू. का दान करते हैं उन्हें 1 वर्ष तक तथा जो 10 हजार का दान करते हैं उन्हें 10 वर्ष तक इस प्रकार यह पुस्तक डाक द्वारा भेजी जाती है।

प्रेषक-
विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय
जोधपुर रोड़, नागौर (राज.)

स्वामी एवं प्रकाशक अर्जुनसिंह राठौड़ के लिए मुद्रक गिरधारीराम द्वारा चौधरी प्रिंटर्स, किले की ढ़ाल नागौर से मुद्रित एवं मासिक हिन्दी समाचार-पत्र कामधेनु दर्शन, श्रीकृष्ण गोपाल गो सेवा समिति, जोधपुर रोड नागौर (राज.) से प्रकाशित। प्रकाशक-अर्जुनसिंह राठौड़

प्रसव पीड़ित गौमाता का ऑपरेशन कर जीवित बछड़े को निकाला बाहर

1. जोधपुर जिले के तिंवरी ग्राम से जालमसिंह सोलंकी पुत्र रूपसिंह अपने निजी वाहन द्वारा प्रसव पीड़ित निराश्रित गौमाता को ईलाज हेतु विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये।

3.ऑपरेशन के पश्चात् आराम से खड़ी गोमाता।

अनुभवी चिकित्सकों के अथक प्रयासों तथा उच्च गुणवत्तायुक्त दवाईयों से उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवा

इंसानों की भांति होती हैं 24 घण्टे चिकित्सा व सेवा

ऑपरेशन

2.

2.मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ. नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में गोमाता का ऑपरेशन कर मृत बछड़े को बाहर निकालती हुई अनुभवी चिकित्सा टीम।(इनसेट में मृत बछड़ा)

गौमाता के पेट में बछड़ा हुआ खत्म ऑपरेशन कर बचाया गौमाता को

1.

1.जोधपुर जिले की पीपाड़ सिटी तह. के आशापुरा नगर से जेनाराम चौहान पुत्र राजुराम अपनी घरेलु गोमाता जो प्रसव पीड़ा से ग्रस्त थी, उसे ईलाज हेतु निजी वाहन से विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर लेकर आये।

3.

3.ऑपरेशन के पश्चात् आराम से खड़ी चारा खाती हुई गोमाता।

बच्चादानी का ईलाज

2.मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ. अशोक मील के नेतृत्व में शरीर पीड़ित गोमाता का ईलाज करती हुई अनुभवी चिकित्सा टीम।

कर पहुंचाई राहत

1. बीकानेर जिले की नोखा तह. के ग्राम गजसुखदेसर से मन्नीराम भाकर पुत्र सहीराम अपनी घरेलु गोमाता जो शरीर बाहर आने से पीड़ित थी, गोमाता को ईलाज हेतु निजी वाहन से विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, नागौर लेकर आये। 3.ईलाज के पश्चात् खड़ी चारा खाती हुई गोमाता।

गौमाता के जबड़े से निकाली

2.

2. मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ. अशोक मील के नेतृत्व में गौमाता के जबड़े का ऑपरेशन करती हुई अनुभवी चिकित्सा टीम, ऑपरेशन द्वारा निकाली गई 5.5 किलो कैंसर की गांठ (ट्यूमर)।

5.5 किलो कैंसर की गांठ

1.झुंझुनू जिले के ग्राम भोजासर से निराश्रित गौमाता जो जबड़े पर कैंसर की बड़ी गांठ होने से पीड़ित थी, उसे उच्च स्तरीय ईलाज हेतु गोभक्त राकेश मील पुत्र रणवीर निजी वाहन से विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, नागौर लेकर आये।

3. ऑपरेशन के पश्चात् आराम से खड़ी गौमाता। ज्ञात रहे गौमाता को उच्च गुणवत्ता युक्त पौष्टिक आहार व दवाईयां देने से जल्द ही अच्छी राहत मिलेगी।

कांटो के तार में फसने

1.

1.लिखमाराम पटेल पुत्र भाकरराम, ग्राम रलावास, जोधपुर वालों ने एक नीलगाय जिसके कांटो के तार में फसने से पैर टूट गये और बुरी तरह जख्मी हो गई उसे उपचार हेतु विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पहुंचाया।

से जख्मी हुई नीलगाय

1.मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ. नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में नीलगाय का ईलाज करती हुई अनुभवी चिकित्सा टीम।(इनसेट में नीलगाय के टूटे हुए पैर)

3.उपचार पश्चात् आराम करती हुई नीलगाय।

विस्फोटक पदार्थ खाने से

2.

2. जैसलमेर जिले के ग्राम मोहनगढ़ में एक गोमाता का विस्फोटक पदार्थ खाने से जबड़ा बुरी तरह से बिखर गया। गोभक्त वासुदेव जोशी पुत्र कन्हैयालाल ने निजी वाहन से तुरन्त ईलाज हेतु विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, नागौर भिजवाया। भयंकर पीड़ा से कराह रही गोमाता का गो चिकित्सालय की अनुभवी मेडिकल टीम ने मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ. अशोक मील के नेतृत्व में तुरन्त उपचार कर राहत पहुंचाई।

गोमाता का बिखरा जबड़ा

1. स्वामीजी ने कहा कि बेरहमी की हद होती है कुछ राक्षस प्रवृत्ति के लोग अपने स्वार्थ के लिए आटे में विस्फोटक पदार्थ की गोली डालकर गौमाता व अन्य जानवरों को खिला देते हैं ऐसे तड़पते- बिलखते बेजूबान प्राणियों को गोभक्त ईलाज हेतु विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय लेकर आते है। 3. ईलाज के पश्चात् खड़ी गोमाता। 4.गोमाता को नाल से उच्च गुणवत्ता युक्त पौष्टिक आहार, ग्लूकोज व दवाईयां देते हुए।

मनत् पूर्ण होने पर नंगे पैर पैदल आयी

सड़क पर नंगे पैर चलती हुई महिला भक्त रांकावत

भैरूजी महाराज के थान पर मत्था टेककर आशीर्वाद लिया

भैरूजी से मांगी मन्नत पूर्ण होने पर भक्त उष्ट्रावाहिनी रांकावत नागौर स्थित मानासर अपने निवास स्थान से हाथ में भैरूजी की ध्वजा लेकर, माथे पर लड्डू गोपाल लेकर नंगे पैर पैदल विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय के सामने स्थित भैरूजी महाराज के थान पर पहुंचकर मत्था टेककर भैरूजी से आशीर्वाद लिया, ज्ञात रहे विश्व विख्यात श्री काल भैरव मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के बाद इस प्रकार सैंकड़ों भक्त पैदल आकर मन्नत् पूर्ण हेतु मत्था टेकेंगे।

3 दिवसीय नि:शुल्क कैम्प

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, नागौर के आगे संध्या जानी देवी हेल्थ रिजॉर्ट माणकलाव, जोधपुर द्वारा तीन दिवसीय नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर लगाया गया जिसमें अनुभवी चिकित्सकों ने सेवा देकर विभिन्न बीमारियों का ईलाज किया, आस-पास क्षेत्र के सैकड़ों लोगों नि:शुल्क कैम्प में लाभ लिया। ज्ञात रहे कोई भी संस्था यहाँ पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाना चाहते हैं तो उनके लिए चाय, छाछ, पानी, नाश्ता, भोजन व रूम इत्यादि की नि:शुल्क सुविधा रहती हैं। रोज 100 से अधिक मरीज शिविर में जांच हेतु आते हैं, हजारों-लाखों लोगों तक पर्दे, सोशल मीडिया व दैनिक अखबारों द्वारा नि:शुल्क प्रचार-प्रसार किया जाता हैं।

पीड़ित गोवंश हितार्थ गोभक्तों ने भेजा सूखा चारा व अनाज

गोभक्त श्रवण कुमार जी बिश्नोई (सरपंच) पुत्र श्री सुखराम जी ने श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर पीड़ित गोवंश हितार्थ 29 क्विं. चूण भेंटकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

श्री परमेश्वर जी महाराज तेजा जुणी धाम, परतापराम जी खाचरीया ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 28 क्विं.चूण भेंटकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

गोभक्त अमराराम जी तोगड़ा पुत्र हीरारामजी ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 120 किलो गुड़ व 10 क्विं.पशु आहार भेंटकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

बालाजी महाराज की धाम के पुजारी ओमप्रकाश जी ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 5 क्विंटल चूण, 12 क्विंटल गुड़ एवं 11 हजार रू. नगद भेंटकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

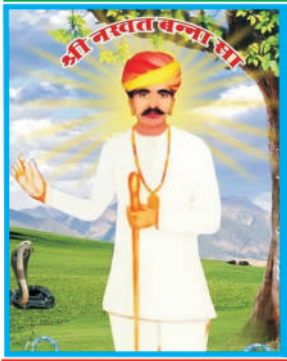

श्री नखत बन्ना महाराज के भाई गोभक्त रूपसिंहजी सोलंकी पुत्र स्व. ठा.श्री कानसिंह जी सोलंकी ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 1 पिकअप मूंगफली का चारा भेंटकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

किसान भेज सकते हैं चारा

वर्तमान में गोभक्त किसान रबी फसल की कटाई कर रहे हैं, निवेदन है कि आप अपने खेत का चारा इन पीड़ित, बीमार व दुर्घटनाग्रस्त गोवंश हेतु गेंहु की तुड़ी (खाखला), जौ, चन्ना, मसुर, सरसों इत्यादि का सूखा चारा भेजकर पुण्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपके द्वारा भेजे गये चारे का पूर्ण सदुपयोग किया जायेगा। धर्मशास्त्रों के अनुसार बीमार, गोवंश को चारा देने का अधिक पुण्य मिलता हैं और चारा ऐसी जगह भेजना चाहिए जिसका 100 प्रतिशत पूर्ण उपयोग हो, आपको वाहन का वाजिब किराया दिया जायेगा या आपके वहाँ पर यहाँ से किराये का वाहन भेज दिया जायेगा।

चारा भेजने हेतु सम्पर्क करें–

–: चारा व्यवस्थापक :–

मुकेश पारीक, मो.8104243924

नर सेवा–नारायण सेवा

महिला भिखारी को भोजन करवाकर स्वामीजी ने ली सुध

अम्बाजी, गुजराज यात्रा के दौरान स्वामीजी ने एक मंदबुद्धि व विकलांग महिला भिखारी की सुध ली, उस महिला भिखारी को व्यवस्थित बैठाकर स्वामीजी ने अपने हाथों से भोजन परोसकर दिया और खर्ची भी दी।

ज्ञात रहे स्वामीजी कहीं भी यात्रा पर जाते हैं तो कोई भी गरीब व्यक्ति, भिखारी व जरूरतमंदों की इस प्रकार सेवा करते है।

भैरुजी के श्वान की सेवा

श्वान (भैरूजी के वाहन) को नाश्ता देते हुए-स्वामीजी

माघ मेला-2024 प्रयागराज, उत्तरप्रदेश यात्रा के दौरान लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर स्थित होटल फूड किंग प्लाजा से स्वामीजी नाश्ता करके मेले हेतु रवाना हो रहे थे, तभी एक श्वान (भैरूजी का वाहन) पूँछ हिलाते हुए आया और स्वामीजी के पास बैठ गया, तब स्वामीजी ने भैरूजी के श्वान को बूंदी-पकौड़ी, भुजिया, पूड़ी व रोटी खिलाकर सेवा की, इस प्रकार स्वामीजी मानव सेवा के साथ-साथ पशु पक्षी इत्यादी की भी सेवा करते हैं।

ऐसे संत की देश को जरुरत हैं उग्र क्यों रहते हैं जाने कारण

महामण्डलेश्वर विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, नागौर एवं विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर और देश का सबसे बड़ा गोरक्षार्थ,गोसेवार्थ संगठन कामधेनु सेना के माध्यम से गोसेवा व गोरक्षा का धर्म कार्य कर रहे हैं ऐसे में इस धर्म कार्य को आसुरी प्रवृति के लोगों द्वारा बाधा उत्पन्न करने पर कुशालगिरीजी मुँहतौड़ जवाब देते हैं

स्वामीजी ने 12 वर्षो से भैरूजी महाराज की कठोर साधना करके कुछ सिद्धीयां प्राप्त की हैं इस साधना व सिद्धियों से वर्तमान समय में लोगों के अनेक प्रकार के कष्ट व मन्नत् पूर्ण हेतु विश्व विख्यात श्री काल भैरव मन्दिर बनाकर देश-विदेश के लाखों लोगों के हितार्थ कार्य करेंगे, 11.8.24 को मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा हैं।

स्वामीजी की गोसेवा से प्रसन्न होकर गांव तोलियासर के पृथ्वीसिंह राजपुरोहित (गोपुत्र सेना के महासचिव) ने स्वामीजी को 2015 में गुरू धारण किया, राजलक्ष्मी गौशाला ने पृथ्वीसिंह राजपुरोहित को माध्यम बनाकर स्वामीजी को हर तरह से परेशान करना शुरू कर दिया तब इस नुगरे शिष्य पृथ्वीसिंह से परेशान होकर 2018 में स्वामीजी विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय हमेशा के लिए छोड़कर पैदल ही निकल गये तब स्टाफ व यात्रियों को सहन नहीं हुआ ओर जोरदार पृथ्वीसिंह राजपुरोहित की धुलाई कर दी, किसी तरह पृथ्वीसिंह ने संस्था के मेडिकल रूम में दौड़कर दरवाजा बन्द कर अपनी जान बचाई।

गोवंश पर महामारी आयी तब 6 करोड़ रू. खर्च कर देश का सबसे बड़ा लम्पी शिविर लगाकर अपनी गोभक्ति देश को दिखला दी।

शरीर पर 60 घाव हुए, 30 घाव आज भी शरीर पर गिन सकते हैं, गोरक्षार्थ मेरी मृत्यु हो यही इनकी इच्छा हैं।

बेदाग– स्वामीजी के अब तक जीवन - काल में व संस्था के 1.4.24 समय तक कोई दाग नहीं लगा ना ही पुलिस थाने व कोर्ट में मुकदमा चल रहा हैं।

स्वामीजी की बढ़ती लोकप्रियता (तरक्की) से 1 प्रतिशत लोग जलते हैं, उन 1 प्रतिशत में स्वामीजी के परिवार, रिश्तेदार भी कुछशामिल हैं,यह सब चाहते हैं कि स्वामीजी की मृत्यु कब हो लेकिन 99 प्रतिशत यानि लाखों लोगों की दुआ व साथ होने से यह ईश्वरीय कार्य हो रहा हैं, भगवान श्रीराम व भगवान श्रीकृष्ण को उस समय चाहने वाले करोड़ों थे तो कुछप्रतिशत राक्षस व राक्षस प्रवृति के लोग मारना भी चाहते थे।

गौपुत्र सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सम्पतसिंह राजपुरोहित ने स्वामीजी की सेवा से प्रसन्न होकर समय-समय पर आशीर्वाद लिया, राजलक्ष्मी गौशाला के बहकावें में आकर सम्पतसिंह ने स्वामीजी को ब्लैकमेल करने की पुरी ताकत लगा दी, तब कुछ हासिल नहीं हुआ और भैरूजी व गोमाता का ऐसा कोप हुआ कि हाथी के समान शरीर वाला सम्पतसिंह राजपुरोहित युवा अवस्था में ही अचानक ही 14.5.20 में दुनिया से चल बसा।

स्व. प्रवीणा सोलंकी

कामधेनु सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीणा सोलंकी को विरोधी गौशाला के कर्मचारियों ने इनके घर पर जाकर लालच देकर बहुत भड़काया, अंत में यह महिला डिप्रेशन में आ गई और विरोधी गौशाला के आगे एक्सीडेंट से 18.11.18 खत्म हो गई। स्वामीजी ने इनकी स्मृति में गौशाला व इनकी छतरी बनाई

श्रवण सैन राष्ट्रीय प्रभारी कामधेनु सेना

श्रवण सैन (राष्ट्रीय प्रभारी- कामधेनु सेना) पर राजलक्ष्मी गौशाला के कर्मचारियों ने जान से मारने की नियत से हमला किया। जिसमें श्रवण सैन को गौमाता की कृपा से किसी तरह बच निकला, गाड़ी के शीशे तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया, इस मामले का मुकदमा अभी चल रहा है।

मई 2015 में नागौर के कुमारी गांव में नगर परिषद के ठेकेदार ने कुछ नियम विरूद्ध नागौर की 8-10 गौशालाओं व दर्जनों तबेलों व लावारिस करीब 150 मृत पशु खुले डाल दिये, 3-4 दिनों के यह मृत पशु इकट्ठा होने से ग्रामीण इकट्ठा हुए, पुलिस आई ग्रामीणों ने वर्तमान सी.आई. का सीर फोड़ दिया व सरकारी सम्पति को नुकशान पहुंचाया, इस दौरान स्वामीजी से रंजिस रखने वाले शिवसेना के ओम चौधरी ने जाँच की मांग की, पुलिस ने जाँच की लोग सुंतष्ट नहीं हुए तब स्वामीजी को बदनाम करने हेतु शिवसेना व राजनितिक लोगों ने एस.ओ.जी. की मांग की, एस.ओ.जी. ने जाँच की जिसमें विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय तो बैदाग निकला, इस मृत पशु प्रकरण में ठेकेदार दोषी निकला।

कामधेनु सेना के संस्थापक भी हैं देश में प्रतिदिन कामधेनु सैनिकों से गोसेवार्थ कार्य करवाते हैं।

कामधेनु सेना हैं इसलिए शेर की तरह रहना पड़ता हैं, कत्लखाने जा रहे गोवंश को छुड़वाने के लिए कामधेनु सैनिकों को शेर जैसा निडर बनाते हैं।

स्व. राजाराम बिश्नोई

टांकला टॉल पर दिन में संस्था की व बीकानेर की गाड़ी आपस में हल्की सी टकराई, दोनों पक्षों के बीच मामुली विवाद हुआ, रात्रि को स्वामीजी गौशाला नहीं थे तब पीछे से संस्था के कर्मचारी राजाराम बिश्नोई की संस्था के आगे 26.2.20 हत्या कर चले गये। जबकि राजाराम इस विवाद में शामिल नहीं था। स्वामीजी ने इनकी स्मृति में छतरी बनाई तथा आत्म कल्याण हेतु विशाल भागवत कथा भी करवाई।

कहीं पर भी गौचर भूमि दबी हुई हैं, किसी गोवंश पर तेजाब डाल दिया, कुल्हाड़ी मार दी या गोवंश पर अत्याचार किया है उसके खिलाफ आवाज उठाकर कामधेनु सेना द्वारा ज्ञापन दिलवाकर धरना प्रदर्शन कर उसके नाक में दम करवा देते हैं।

राजलक्ष्मी गोशाला की दुकानदारी बन्द होने लगी तब उन्होनें नीच हरकत करते हुए पारासरा गांव के सुरेश काला व 5-7 अन्य व्यक्तियों को पिस्तौल देकर बॉस को मारने के लिए भी भेजा लेकिन हमलावर मार खाकर गये।

कालुराम जी प्रजापत (अध्यक्ष - जोधपुर शाखा) पर राजलक्ष्मी गौशाला के बेटे व 5 अन्य व्यक्तियों ने मिलकर हत्या की साजिश के तहत हमला किया। जिसमें दोनों पैरों की हड्डिया दिखने लग गई, अहमदाबाद में 5 ऑपरेशन हुए 1 ऑपरेशन अभी भी बाकी हैं ।

राजलक्ष्मी गोशाला की दुकानदारी बन्द होने लगी तब उन्होनें बहुत बड़ी साजिश करते हुए सरिता गोदारा, गांव गाजु से बलात्कार का झुठा मुकदमा लगवा दिया तब बॉस गुस्सा हुए राजलक्ष्मी गौशाला की चल रही अच्छी दुकानदारी को बन्द करवा दी।

संस्था के जंबाजों पर राजलक्ष्मी गौशाला वालों ने निशाना बनाकर हमला किया, इतना होने के बाद बॉस ने उग्र रूप धारण किया, बॉस के उग्र रूप से वर्तमान में विरोधी, साजिशकर्ता व हमलावर चुपचाप बैठे हैं।

अतिथि देवो भव: की भावना से प्रत्येक यात्री को ईश्वर का रूप समझते है, इसी वजह से संत की 15 साल की तपस्या व कड़ी मेहनत से भादवा माह में 11 लाख यात्री विश्व की सर्वश्रेष्ठ पीड़ित गोवंश की सेवा के दर्शनार्थ व बॉस के क्रेज के कारण आते हैं।

2020 में राजलक्ष्मी गौशाला अध्यक्ष लालबहादुर कच्छावा ने अपने कर्मचारी सुरेन्द्र बेनिवाल से धर्मेला का रिश्ता बनाकर सुरेन्द्र बेनिवाल से संस्था की इंचार्ज संजू जी जांगिड़ को स्वामीजी पर बलात्कार का मुकदमा लगाने हेतु 5 लाख रू. का लालच दिया, लेकिन संजू जी जांगिड़ ने ईमानदारी रखी (बीकी नहीं) और राजलक्ष्मी गौशाला जाकर ऐसी नींच हरकतों हेतु उनको लताड़ा।

17.11.19 में स्वामीजी नागौर से जोधपुर शाखा जा रहे थे आयुर्वेद विश्वविद्यालय हाईवे पर डॉ. सुमित्रा जाजड़ा जो दुसरों का फॉर व्हीलर वाहन चलाना सीख रही थी अचानक सड़क क्रोस करने से दोनों गाड़ियो आपस में भिड़ गई स्वामीजी मरते-मरते बचे, गाड़ी मालिक को कोई एतराज नहीं हुआ लेकिन 17 दिन बाद डॉ. सुमित्रा जाजड़ा ने विरोधियों के बहकावे में आकर स्वामीजी पर कपड़े फाड़ने व छेड़छाड़ का झुठा मुकदमा कर दिया, आयुर्वेद विश्वविद्यालय के आगे लगे सी.सी. टी.वी. कैमरे ने डॉ. सुमित्रा जाजड़ा की पोल खोल दी, झूठा मुकदमा होने से एफ.आर.लग गई। प्रतिवर्ष कामधेनु सेनिक डॉ. सुमित्रा जाजड़ा के पुतले फुंककर विरोध प्रकट करते है।

2019 में राजलक्ष्मी गौशाला ने षडयंत्र करते हुए भीम सैना के नागौर जिलाध्यक्ष मोतीराम मेघवाल गांव तंवरा ने स्वामीजी पर झूठा मुकदमा कर दिया, मुकदमा झूठा होने से पुलिस एफ.आर. लगा दी, पद दुरूपयोग कर लोगों को परेशान करने से कुछ दिनों पश्चात ही मोतीराम मेघवाल का उसी के गांव वालों ने सीर फोड़ दिया, सर में एक दर्जन टांके आये।

2012 में भेड़ गांव के युवाओं ने एम्बुलेंसों से गोवंश गिराने का झूठा मुकदमा कर दिया, इन युवाओं के साथ राजनिती वश कुछ ग्रामीण भी पक्ष में आ गये और संस्था पर मुकदमा कर दिया, तब स्वामीजी ने गोभक्तों का साथ लेकर धरना दिया, क्रमिक अनसन किया, फिर भी बात नहीं बनी तब आमरण अनसन करने से नागौर के आला अधिकारियों की नींद खुली, स्वामीजी ने निष्पक्ष जाँच की मांग की, सी.आई. घेवरचन्दजी सारस्वत ने जाँच कर जज को रिपोर्ट सौंपी, मामला झूठा होने से कोर्ट ने एफ.आर. लगा दी। 2012 के बाद हमेशा के लिए संस्था ने भेड़ गांव में एम्बुलेंस सेवा बंद कर दी व भेड़ गांव के युवाओं को संस्था में नौकरी पर रखना बंद कर दिया।

17.2.23 में बावड़ी राजकीय महाविद्यालय में छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन कार्यक्रम में बॉस को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया गया, बॉस कॉलेज में प्रवेश ना करे ताकि कार्यक्रम सफल ना हो इस हेतु कुछ विरोधी छात्रों ने राजेश्वरी बिश्नोई के बहकावे में आकर हंगामा किया, बॉस के आने की सूचना पर डिप्टी, तहसीलदार, सी.आई. सहित भारी पुलिस जाप्ता बॉस की सुरक्षा में लग गये, जाते वक्त बॉस की गाड़ी पर कुछ छात्रों ने पत्थराव कर हमला कर दिया, 2 घण्टे के भीतर 1 हजार कामधेनु सैनिकों ने खेड़ापा पुलिस थाने के आगे धरना देकर आरोपियों पर मुकदमा कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की, जिसमें राजेश्वरी बिश्नोई सहित 23 छात्रों पर मुकदमा दर्ज कुछ आरोपी छात्रों को गिरफ्तार किया गया, मुकदमा होने से छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया, बॉस के पास छात्रों के परिवार, रिश्तेदार व जान पहचान वालों के फोन आये बॉस ने एक की भी नहीं सूनी ओर हंगामा करने वाले छात्रों को नानी याद दिला दी।

25.8.21 को पशु एम्बुलेंस बीमार गोवंश को लाने हेतु गांव बलाया होते हुए गांव आसोप जा रही थी, तब बलाया गांव के युवाओं ने एम्बुलेंस को रोक लिया, ईलाज के अभाव में वह गोमाता खत्म हो गई, गांव के युवाओं के साथ आस-पास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गये और स्वामीजी व संस्था पर गंभीर आरोप लगा दिया, कलेक्टर ने जाँच एस.डी.एम. सुनील जी पंवार को सौंपी जिसमें बलाया के युवा खुद दोषी निकल गये, ऐसी नीच हरकत करने के कारण हमेशा के लिए बलाया गांव में एम्बुलेंस सेवा बंद कर दी व बलाया गांव के युवाओं को भविष्य में संस्था में नौकरी पर रखना बंद कर दिया।

नोट- जगह अभाव के कारण इस पेज में कुछ ही जानकारी प्रकाशित की हैं विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय का संचालन ऐसे ही नहीं होता है। इसको संचालन करने के लिए इन-इन बाधाओं से गुजरना पड़ता हैं।

विरोधियों ने सब तरह की जांचे करवा ली, स्वामीजी के नाम कोई सम्पति नहीं हैं, कोई बैंक बेलेन्स नहीं हैं और ना हीं कोई साइन चलने वाले पद पर हैं।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय को देश के 11 सज्जन व्यक्ति/ प्रशासन लेना चाहता हैं, स्वामीजी नि:शुल्क देने के लिए तैयार हैं, जिस प्रकार हमने खून प-सीना किया उसी प्रकार आपको करना हैं

श्री काल भैरव मन्दिर को सजाया

होली पर विश्व विख्यात श्री काल भैरव मन्दिर का निर्माणकार्य बन्द होने पर मन्दिर को विभिन्न प्रकार के गुलदस्तों, फूलों, मालाओं व लाईटों से सजाया गया।

प्रतिदिन मन्दिर पर आ रहे हैं सैकड़ो भक्त

निर्माणाधीन श्री काल भैरव मन्दिर के गर्भगृह के नीचे 6 लोक में जो यन्त्र स्थापित किये गये है उनकी परिक्रमा करने व मन्दिर के निर्माण कार्य को देखने हेतु प्रतिदिन सैकड़ों भक्त आ रहे हैं जबकि मन्दिर अभी तक पूरा बना ही नहीं तो भी प्रतिदिन सैकड़ों भक्तों का आवागमन हो रहा हैं वर्तमान दृश्य को देखते हुए मन्दिर पूरा बनने के बाद प्रतिदिन हजारों की संख्या में भक्तों का आगमन होगा।

विश्व विख्यात श्री काल भैरव मंदिर का विवरण

1. मंदिर सफेद संगमरमर पत्थर से बन रहा हैं। 2. मंदिर की लम्बाई 125 फिट चौड़ाई 75 फिट एवं कुल ऊँचाई 100 फिट। 3. जमीन से बाहर मंदिर की ऊँचाई 75 फिट। 4. मंदिर में 14 लोक स्थापित होंगे। 5. सात लोक जमीन में 7 लोक जमीन के ऊपर। 6. जमीन के प्रथम मंजिल में श्री काल भैरव की मूर्ति स्थापित होगी। 7. 14 लोक- पाताल लोक, सुतल लोक, तलातल लोक, रसातल लोक, नितल लोक, वितल लोक, अतल लोक, भूलोक, भुवर्लोक, स्वर्गलोक, महर्लोक, जनलोक, तपलोक व सत्यलोक। 8. तंत्र-मंत्र-यंत्र का महा केन्द्र होगा। 9. आध्यात्मिक जगत का हाई पावर केन्द्र होगा। 10. तांत्रिक, ज्योतिष, विद्वान व संत इत्यादि साधना से शक्तियां प्राप्त करेंगे। 11. लाखों लोगों के कष्ट दूर होंगे व लाखों लोगों की मन्नतें पूर्ण होगी। 12. 2024 में मंदिर के 7 लोक व प्रथम मंजिल बनेगी। 13. 2025 में मंदिर की दुसरी मंजिल बनेगी। 14. 2026 में मंदिर के पाँचों गुम्बद बनेंगे। 15. 2027 में पुरा मंदिर बनकर तैयार होगा।

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के बाद नागौर को फायदा

1. नागौर जिले को प्रतिमाह लाखों-करोड़ों रूपये की आय प्राप्त होगी। 2. आस-पास की जमीनों की हजारों-लाखों रूपये बीघा की किमत बढ़ेगी। 3. आस-पास के गांवों को भी बहुत फायदा मिलेगा। 4. यह क्षेत्र पर्यटन क्षेत्र में बड़े स्तर पर उभरेगा। 5. प्रतिदिन बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटकों का आगमन होगा। 6. प्रतिमाह उद्योगपति, राजनेता, सरकारी अधिकारी, बड़े स्तर के संत व बड़े स्तर की हस्तियों का यहां आगमन होगा। 7. देश-विदेश के यात्रियों सहित नागौर जिले के हजारों परिवारों का कष्ट निवारण होगा व मन्नतें पूर्ण होगी। 8. नागौर जिले का नाम विश्व पटल पर और ऊँचा होगा। 9. मन्नते पूर्ण होने पर भक्त यहां जागरण, भजन संध्या, पैदल यात्रा, भण्डारा, सवा मणी जैसे कार्यक्रम आयोजित करेंगे, यह क्रम चलता रहेगा। 10. नागौर में हजारों वर्षो का इतिहास कायम हो रहा है। 11. आस-पास हाईवे व सड़कों पर स्थित ढ़ाबा, भोजनालय, होटलों, पेट्रोल पम्प व वाहनों के रिपेयरिंग मार्केट इत्यादि प्रतिष्ठानों को विशेष आर्थिक लाभ मिलेगा। 12. यह मंदिर लाखों लोगों की आस्था का बड़ा केन्द्र होगा।

मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐतिहासिक कार्य होंगे – सींथल पीठाधीश्वर

अशुद्ध धन का कुछ अंश गोदान करने से होता हैं शुद्ध – क्षमाराम जी महाराज

आध्यात्मिक प्रवचन देते हुए-क्षमारामजी महाराज, इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में होली के पर्व पर महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरी जी महाराज के गुरू सींथल पीठाधीश्वर महंत क्षमाराम जी महाराज का अपने शिष्यों, संतो व भक्तों के साथ आगमन पर सत्संग व फागोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सत्संग में क्षमाराम जी महाराज ने सैंकड़ों भक्तों को प्रवचन में बताया कि आजकल के जमाने में विशुद्ध पैसा बहुत कम लोगों के पास है,अशुद्ध पैसा बहुत ज्यादा है, उसका निवारण केवल गोमाता ही हैं जिस पर विशुद्ध पैसा गोदान करने से शुद्ध हो जाते है।

सर्वश्रेष्ठ गोसेवा के लिए बहुत प्रबन्ध करना पड़ता है, ऐसे ही नही होता है ये काम सब लोगों के प्रयास से होता है, बड़े स्तर पर जो पीड़ित गोवंश की सेवा हो रही है उसमें गोभक्तों व गोसेवकों की भूमिका भगवान की टीम बनकर कार्य कर रही है।

रामजी को 550 वर्षो पश्चात् स्थापित करने वाले व लूटा हुआ, पिटा हुआ भारत को पुन: गौरव प्रदान करने वाले और हिन्दू धर्म पर अनेक हत्याचार हुए अब नहीं हो रहे हैं इस हेतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र जी मोदी के पक्ष में मतदान करें, पीठाधीश्वर क्षमाराम जी महाराज ने साफ तौर पर कहा मोदी ने पहले कार्यकाल में देश का आंकलन किया, दुसरे में कार्यकाल में विचार किया तथा कुछ ऐतिहासिक फैसले लिये लेकिन तीसरे कार्यकाल में आश्चर्यजनक भारत, हिन्दूत्व व आमजन के हितार्थ काफी बड़े ऐतिहासिक फैसले लेगे और लागू करेंगे।

गुरूदेव की उपस्थिति में स्वामीजी ने मर्यादा रखते हुए खड़े होकर के होली पर 'थे खेलो लाल गुलाल- होली नित आवे' एवं 'हां रे होळी आई रै' गुरू के चरणो में सामुहिक होली के दो गीत लेकर अर्पित किये तब पुरा पाण्डाल होलीमय हो गया।

स्वामीजी ने अपने गुरूदेव क्षमाराम जी महाराज के चरणों में गुलाल लगाकर उस पवित्र गुलाल को अपने मस्तक पर लगाकर यह संदेश दिया कि प्रत्येक शिष्य की गुरू में अविचल भक्ति होनी चाहिए व गुरू के चरणों की रज चंदन से कम नहीं है और गुरू की चरणों की सेवा से ईश्वर की प्राप्ती निश्चित हैं, ऐसा भगवान राम ने सबरी को नवदा भक्ति में गुरू महिमा व गुरू की चरणों की सेवा का महत्व बताया।

पश्चात् स्वामीजी ने अपने गुरूदेव को विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में निर्माणाधीन विश्व विख्यात श्री काल भैरव मंदिर स्थल का निरीक्षण करवाकर आगामी प्राण प्रतिष्ठा व मंदिर निर्माण संबंधी जानकारी दी।

केबिनेट मंत्री ने देखी पीड़ित गोवंश की सेवा

पीड़ित व बीमार गोवंश की यहां सर्वश्रेष्ठ सेवा- कन्हैयालालजी

परिक्रमा मार्ग में वन्यजीव की सेवा देखते हुए-मंत्रीजी

मंत्रीजी का तिलक कर, पुष्पमाला व साफा पहनाकर स्वागत करते हुए-मुख्य व्यवस्थापक

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में 23.3.24 को राज. सरकार के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग के मंत्री कैन्हयालाल जी चौधरी का टीम सहित आगमन हुआ, यहाँ पर मंत्रीजी ने टीम के साथ गो चिकित्सालय का बारीकी से निरीक्षण किया। गंभीर बीमारियों से पीड़ित गोवंश तथा वन्य जीवों की चिकित्सा सेवा और यहां का मैनेजमेंट देखकर उनको आश्चर्य हुआ कि इतनी अच्छी सेवा व इतना अच्छा सिस्टम पहली बार देखा है।

मंत्रीजी ने विश्व विख्यात श्री काल भैरव मन्दिर का निर्माण कार्य देखकर नन्दा कामधेनु की समाधि पर मत्था टेककर आशीर्वाद लिया, मंत्रीजी करीब आधा घंटे तक गो चिकित्सालय में रूककर सुबह की चाय भी यहाँ पीकर गये।

केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल ने बताया कि यहां पर स्वामीजी के सानिध्य में की जा रही पीड़ित, दुर्घटनाग्रस्त गोवंश की सर्वश्रेष्ठ सेवा जो बहुत ही अद्भुत है। हमने विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय की सेवा के बारे में कई बार सुना हैं लेकिन आज साक्षात हमें यहां की सेवा देखकर यह सुखद अनुभूति हुई है।

मुख्य व्यवस्थापक व इंचार्जो ने मंत्री जी का साफा, तिलक, पुष्पमाला द्वारा स्वागत सम्मान किया, कामधेनु दर्शन पुस्तक देकर गोसेवा तथा यहां पर बन रहे विश्व विख्यात श्री काल भैरव मंदिर की जानकारी दी।

गुरु धारण कर लिया आशीर्वाद

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, नागौर में मूलाराम जी महिया पुत्र श्री मोहनराम जी, ग्राम अभयसिंहपुरा, तह. श्रीडूंगरगढ़, जिला बीकानेर वालों ने स्वामीजी को श्रीफल भेंट करके गुरू धारण कर अपने जीवन को कृतार्थ किया। ज्ञात रहे स्वामीजी गुरू दक्षिणा में एक रूपया भी नहीं लेते है फिर भी स्वेच्छा से देते है तो शिष्य का सम्मान रखते है।

गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करवाने हेतु कामधेनु सैनिकों ने की पैदल यात्रा

कामधेनु सैनिको को 'गोरक्षक' की उपाधि से किया सम्मानित

दोनो जिलाध्यक्ष सहित टीम को आशीर्वाद देते हुए-स्वामीजी

स्वामीजी को केकड़ी जिलाध्यक्ष साफा भेंट करते हुए

टोंक जिलाध्यक्ष को आशीर्वाद देते हुए-स्वामीजी

दोनो जिलाध्यक्ष को गोरक्षक की उपाधि से नवाजा

देश का सबसे बड़ा गोरक्षार्थ संगठन कामधेनु सेना जो अपने 6 उद्देश्यों गोरक्षार्थ, गो सेवार्थ, हिन्दूत्व, राष्ट्रहित, धार्मिक व जनहितार्थ मुद्दो पर कार्य करता हैं, जिनके माध्यम से लाखों लोग जुड़कर सेवा कर रहे हैं। इसी प्रकार से कामधेनु सेना के टोंक जिलाध्यक्ष जगदीशजी चौपड़ा व केकड़ी जिलाध्यक्ष सुनिल जी पारीक का टीम सहित विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में आगमन हुआ।

कामधेनु सेना की ओर से इन्होने सांवलिया सेठ मन्दिर से पी.एम. मुख्यालय, दिल्ली तक गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करवाने हेतु 4 माह तक बिना अन्न ग्रहण किये गौमाता के दूध पर जीवनयापन करते हुए सैकड़ों भक्तों के साथ पैदल यात्रा की।

इन सभी का विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, नागौर में कामधेनू सेना के संस्थापक ने भव्य स्वागत सम्मान कर 'गोरक्षक' की उपाधि से सम्मानित किया। इस दौरान जगदीशजी चौपड़ा व सुनिल जी पारीक ने स्वामीजी को पुष्पमाला व गौमाता के 181 दोहे लिखे हुए साफा व मिठाई भेंटकर आशीर्वाद लिया।

प्रयागराज गो संसद में महामण्डलेश्वर के प्रतिनिधि राष्ट्रीय प्रभारी सैन ने लिया भाग

कामधेनु सेना के राष्ट्रीय प्रभारी श्रवण सैन को प्रशंसा-पत्र देते हुए-जगद्गुरू शंकराचार्य जी

श्री शंकराचार्य शिविर, माघ मेला, प्रयागराज में चारों पीठों के पूज्य जगद्गुरू शंकराचार्यों, महामण्डलेश्वरों, पीठाधीश्वरों व देश के प्रतिष्ठित पूज्य संत महापुरूषों द्वारा समर्थित स्वतः स्फुर्त गोमाता-राष्ट्रमाता प्रतिष्ठा आंदोलन के तत्वाधान में भारत भूमि से गो हत्या का कलंक समाप्त करवाने हेतु आयोजित गो संसद कार्यक्रम में श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज के प्रतिनिधि कामधेनु सेना के राष्ट्रीय प्रभारी श्रवण सैन ने भाग लिया।

इस दौरान परमाराध्य, परमधर्माधीश उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामीश्री अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वतीजी महाराज ने श्रवण सैन को रामा-गो-संसद भाग ग्रहण प्रमाण-पत्र भेंटकर आशीर्वाद दिया।

श्रवण सैन ने बताया की हम हमारे संसदीय क्षेत्र में निर्दिष्ट कार्य पूर्ण निष्ठा, समर्पण और प्रामाणिकता के साथ करेंगे।

अप्रैल मई जुन की भीषण गर्मी में

अजमेर बाईपास चौराहा पर सड़क के किनारे लगा हुआ हरा चारा का शिविर

अजमेर बाईपास चौराहा पर सड़क किनारे गोवंश को हरा चारा डालते हुए-गोभक्त

अजमेर बाईपास चौराहा पर सड़क के किनारे हरे चारे का शिविर लगाया हुआ हैं। यात्री व ट्रक चालक लावारिस गोवंश को हरा चारा डालते हैं।

लावारिस गोवंश हितार्थ लगाया शिविर

भीषण गर्मी में अपनी प्यास बुझाते हुए लावारिस गोवंश

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय द्वारा भंयकर गर्मी के मौसम को देखते हुए लावारिस गोवंश हेतु अलग-अलग दो जगहों पर चारा-पानी व छाया इत्यादि की पूर्ण व्यवस्था की गई हैं, जिसमें 150 से 200 गोवंश प्रतिदिन अपनी भुख-प्यास मिटा रहे हैं। देश के गौभक्तों एवं गोहितार्थ संगठनों से अनुरोध है कि इस गर्मी के भंयकर 3 माह अप्रेल-मई-जून में अपने क्षेत्र के आस-पास भटक रहे भूखे-प्यासे लावारिस गोवंश हेतु चारे-पानी की व्यवस्था करें और गोवंश के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ाने हेतु गोभक्तों से निवदेन है की अपने घरों के बाहर पानी की खेळी रखे और प्रतिदिन पानी डाले ताकि किसी गोवंश को पानी की किल्लत से ना जूझना पड़े। जुलाई में बारिश शुरू होते ही खेतों में हरा घास व तालाबों में पानी की आवक होने से गोवंश को 9 माह तक कुछ राहत मिल जाती हैं।

सुरुपुरा में भागवत कथा

श्रद्धालुओं को प्रसंग के माध्यम से सरल भाषा में समझाते हुए- स्वामीजी

भागवत कथा का वाचन करते हुए-पण्डित महेश भाई जी शास्त्री

आपने नशे को पकड़ा हैं–स्वामीजी

एक बार चेला था। उस चेले को नशे की लत थी जिससे वह खुद बहुत परेशान रहता था। एक दिन वह चेला अपने गुरू से मिलने गया और गुरू को नशे की लत के बारे में बताया और कहा गुरूजी मैं इस नशे को छोड़ना चाहता हूँ। तो गुरू ने चेले को अगले दिन अपने आश्रम में बुलाया और कहा इसका जवाब कल देंगे। अगले दिन चेला गुरू के आश्रम में गया। चेले को देखकर गुरू ने अपने हॉल में एक खम्बे को जाकर पकड़ लिया और चेले को कहा अरे मुझे बचाओं इस खम्बे ने मुझे पकड़ लिया है बचाओ बचाओ...

तब चेले के ने कहा गुरूदेव मैं तो आपसे ज्ञान लेने आया हुं कि नशे से मुक्त कैसे होउ और आप तो इस खम्बे से लिपटे हुए हो जो एक निर्जिव मात्र है खम्बे ने आपको थोडे ही पकड़ा है आपने इस खम्बे को पकड़ कर रखा है।

तो गुरू ने उस चेले को समझाया कि नशा भी तो एक निर्जिव वस्तु है वो तुम्हे कैसे पकड़ के रख सकता है उसको भी तो तुमने ही पकड़ कर रखा है।

तभी उस चेले को ज्ञान की प्राप्ती हुई और उसके समझ में आ गया कि नशे को तो उसने पकड़ रखा है। उस दिन के बाद उस चेले ने नशे को हमेशा के लिए छोड़ दिया।

गेधर परिवार ने पीड़ित गोवंश हितार्थ भरा 51 हजार रु. का मायरा

कथा के दौरान गोभक्त गोपाराम जी गेधर पुत्र चौखाराम जी, नोखा, बीकानेर वालों ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 51 हजार रू. का मायरा भरा, स्वामीजी ने मंच पर साफा, पुष्पमाला पहनाकर व चांदी की तस्वीर देकर स्वागत सम्मान किया।

स्वामीजी के आगमन पर बड़ी संख्या में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

तेजरासर में कथा तावणियां परिवार ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 1 लाख 21 हजार रु. का भरा मायरा

लाचार गौसेवा समिति, तेजरासर (बीकानेर) में विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय के पीड़ित गोवंश हितार्थ आयोजित विशाल भागवत कथा में पंचम् दिवस पर स्वामीजी ने गोभक्त रामचन्द्रजी तावणिया को साफा, माला पहनाकर व चाँदी की तस्वीर देकर स्वागत सम्मान कर आशीर्वाद दिया, आपश्री ने कथा के मध्य पीड़ित गोवंश हितार्थ 1 लाख 21 हजार रू. भेंट किये।

सियाग ने किया 1 लाख 1 हजार रु. का सहयोग

ग्राम स्वरूपदेसर, जिला बीकानेर में विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय के पीड़ित गोवंश हितार्थ आयोजित विशाल भागवत कथा के षष्ठम् दिवस पर गोभक्त भंवरलालजी सियाग पुत्र श्री किशनाराम जी ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 1 लाख 1 हजार रू. भेंट किये, इस दौरान कथा वाचक पं. महेश भाई जी शास्त्री ने मंच पर भंवरलाल जी को स्वामीजी की चाँदी की तस्वीर भेंटकर स्वागत सम्मान किया।

कथा वाचकों हेतु योजना

देश का कोई भी कथा वाचक विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय के पीड़ित गोवंश हितार्थ भागवत कथा, नानी बाई का मायरा, शिव महापुराण व श्रीराम कथा करते हैं तो उस कथा वाचक को वाजिब दक्षिणा दी जायेगी, जिस कथा वाचक के पास पूरी टीम नहीं है तो संस्था की तरफ से टीम की व्यवस्था की जायेगी। वर्तमान में करीब 5-6 कथा वाचक देश के विभिन्न जगहों पर कथा करके पीड़ित गोवंश हितार्थ अच्छा कार्य कर रहे हैं, अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें - 8769263287

शादी में आशीर्वाद देने गये–स्वामीजी

दंपति जोड़े हितेश–अमिषा व मनीष–प्रिंयका को आशीर्वाद देते हुए–स्वामीजी

पूर्व सभापति मांगीलाल भाटी के सुपुत्रों के विवाह कार्यक्रम में स्वामीजी नव दम्पति जोड़ों को आशीर्वाद देने पहुंचे। आशीर्वचन में स्वामीजी ने बताया कि कुछ गृहस्थ सज्जन संत कबीर साहेब से यह पूछने आये कि गृहस्थ बड़ा है या संन्यासी। तभी महात्मा कबीर साहेब ने अपनी पत्नी लुई से कहा दीपक लाओ सूत उलझ गया है। दोपहर का समय था। कबीर साहेब की पत्नी लुई दीपक जलाकर चली गयी। थोड़ी देर बाद संत कबीर साहेब लुई से बोले मेहमानों को दूध तो पिलाओ। लुई दूध देकर चली गयी। सभी मेहमानो के साथ संत कबीर साहेब ने दूध पिया। बोले, लुई दूध बहुत अच्छा बना है। असल में दूध में शक्कर की जगह लुई से नमक डल गया था। तब संत कबीर साहेब ने कहा कि पति-पत्नी में इतना समन्वय व प्रेम है तो सन्यास से गृहस्थी अच्छी है। स्वामीजी ने देश के लाखों-करोड़ों नव दम्पति जोड़ों को यह सन्देश दिया कि गृहस्थ जीवन किस प्रकार होना चाहिए।

बारातियों को आन–बान–शान की प्रतीक तलवार दी

ग्राम किशनासर, जिला बीकानेर में भामाशाह व गोभक्त लालसिंह जी राजपुरोहित ने अपनी बेटी की अनोखी शादी रचाई, सभी बारातियों को तलवार देने का मन में आया ख्याल आया। तलवार भी ऐसे व्यक्ति से बंटवाऊ जो शूरवीर संत होना चाहिए। हर कोई संत इतनी बड़ी संख्या में तलवारें बांट नहीं सकता क्योंकि उसको पुलिस प्रशासन से डर रहता है। लालसिंह जी ने महामण्डलेश्वर कुशालगिरीजी महाराज को आमंत्रित कर उन्हीं के हाथों से तलवारें बंटवाने का फैसला लिया। बॉस ने कहा हम डरने वाले संतों मे से नहीं हैं, बॉस ने सैंकड़ों बारातियों को राजस्थान की शूरवीरता का प्रतीक आन-बान-शान तलवार भेंट कर आशीर्वाद दिया। इस शादी में तलवार देने का नया क्रेज व नया इतिहास देखने को मिला।

एम्बुलेन्स नं.
8696943714

E-mail : jd.shrikrishangausevasimiti@gmail.com
Website : www.gaulokmahatirth.com
PAN Card No. ABCAS1441D

गोदान पात्र नं.
8696946698

श्री कृष्ण गोपाल गो सेवा समिति

जयपुर-पाली बाईपास, ग्राम रलावास, पो. लोरड़ी पण्डितजी, तह. व जिला जोधपुर (राज.), पिन कोड नं. 342037

SHRI KRISHAN GOPAL GAU SEVA SAMITI, JODHPUR
ICICI A/c No. 683001700585, IFSC Code -ICIC0006830
SBI A/c No. 41515647040, IFSC Code -SBIN0051092

आधा किमी लम्बें विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, नागौर का विहंगम दृश्य

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय नागौर की जोधपुर शाखा ग्राम रलावास, जिला जोधपुर का विहंगम दृश्य

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर की गोसेवा से संतुष्ट हैं तो आप इच्छानुसार क्यू. आर. कोड स्केन कर गोदान कर सकते हैं। ऑनलाईन रसीद प्राप्ति हेतु मोबाईल का स्क्रीन सॉट व मैसेज भेजने हेतु सम्पर्क करें-कालुराम प्रजापत- 8696943742

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, नागौर की गोसेवा से संतुष्ट हैं तो आपश्री इच्छानुसार क्यू.आर.कोड स्केन कर गोदान कर सकते हैं। ऑनलाईन रसीद प्राप्ति हेतु मोबाईल का स्क्रीन सॉट व मैसेज भेजने हेतु सम्पर्क करें- मो.8239794446

kushal._giri_ji_maharaj_1008
vsgcnagaur

गौशाला - 9549272222
जोधपुर शाखा- 8696946646
कामधेनु सेना - 9982274444

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, नागौर व जोधपुर
Kushalgiri ji maharaj, Kamdhenu Sena

Vishwa Stariya Gau Chikitsalaya
Nagaur And Jodhpur, Kamdhenu sena

विस्फोटक पदार्थ खाने से गोमाता का बिखरा जबड़ा

मुंह में धमाका इतना जबरदस्त हुआ था की गौमाता की जीभ आ गई बाहर

जैसलमेर जिले के ग्राम मोहनगढ़ में एक गोमाता का विस्फोटक पदार्थ खाने से जबड़ा बुरी तरह से बिखर गया। भयंकर पीड़ा से कराह रही गोमाता को वासुदेव जोशी पुत्र कन्हैयालाल ने उच्च स्तरीय ईलाज हेतु विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में भिजवाया। गो चिकित्सालय की अनुभवी चिकित्सा टीम ने मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ. अशोक मील के नेतृत्व में तुरन्त ईलाज कर राहत पहुंचाई।

अधिक जानकारी पृष्ठ संख्या 12 व 13 पर देखें...

श्रीमान्.....

.....

.....

.....